आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 328 | उज्जैन, शनिवार 18 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मुख्यमंत्री किसानों के साथ मनायेंगे धनतेरस करेंगे किसानों की बात, किसानों के साथ

मुख्यमंत्री राजगढ़ एवं सीहोर में भी किसान सम्मेलन में शामिल होंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार 18 अक्टूबर को सुबह से देर शाम तक किसान भाइयों के बीच रहेंगे और उनके साथ धनतेरस मनायेंगे। मुख्यमंत्री शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित किसान सम्मेलन में किसान भाइयों से सीधा संवाद भी करेंगे। इसके बाद राजगढ़ जिले के ब्यावरा और सीहोर जिले के बिलकिसगंज झागरिया में आयोजित किसान सम्मेलनों में शामिल होकर किसानों को राहत राशि का वितरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्यावरा में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को 277 करोड़ रूपये की राहत राशि का अंतरण करेंगे एवं 33 करोड़ रूपये की लागत की ब्यावरा नगर जल प्रदाय योजना का भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यहां 193 करोड़ रूपये की लागत के 41 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी करेंगे। बाद में मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीहोर जिले के बिलकिसगंज झागरिया में आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल होंगे और यहां जिले के 2 लाख से अधिक किसानों को फसल क्षति की 118 करोड़ रूपये से अधिक की राहत राशि सिंगल क्लिक के जरिए किसानों के खाते में अंतरित करेंगे।

मुख्यमंत्री निवास में किसान सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार की सुबह मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित किसान सम्मेलन में किसानों के बीच उनसे उनके हित की बात करेंगे। किसानों से संवाद में मुख्यमंत्री राज्य सरकार द्वारा कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों के विकास की दिशा में उठाए जा रहे विभिन्न कल्याणकारी कदमों और नवाचारों पर भी प्रकाश डालेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसानों के साथ धनतेरस और दीपावली पर्व की शुरुआत करेंगे। किसान भाई सोयाबीन की फसल को भावांतर योजना के दायरे में लाने की युगांतकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ यादव का आभार भी व्यक्त करेंगे। इस किसान सम्मेलन में नर्मदापुरम, भोपाल, सीहोर, राजगढ़, रायसेन और विदिशा जिलों के करीब 2500 से अधिक प्रगतिशील किसान शामिल होंगे।

अजमेर में फर्जी बर्थडे पार्टी में बुलाकर दोस्त की हत्या, 6 फीट गहरे गड्ढे में दबाई लाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के अजमेर में जमीनी विवाद को लेकर हुए एक व्यक्ति की हत्या मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस हत्या के सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने हत्याकर शव को छिपाने के लिए उसे 6 फीट गहरे गड्ढे में दफनाया था। ताकि किसी को इसकी भनक ना लग सके।

अजमेर पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने लेखराज नामक व्यक्ति को एक नकली जन्मदिन की पार्टी में फुसलाकर बुलाया। यहां आने के बाद उसकी हत्या कर दी। वहीं, हत्या के राज को छिपाने के लिए उसे 6 से 7 फीट गहरे गड्ढे में दफना दिया। यही नहीं शव से कोई गंध नहीं आए इसके लिए शव के साथ नमक की बोरियां भी रख दी थी।

अजमेर के सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि पुलिस ने एक लड़के से लापता होने की सूचना मिलने के बाद जांच शुरू की थी, जिसके पिता लेखराज लापता हो गए थे। एएसपी जांगिड़ ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, 14 तारीख को एक लड़के के बारे में सूचना मिली थी, जिसके पिता लेखराज एक जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के बाद लापता हो गए थे। लेखराज की लावारिस मोटरसाइकिल मिली, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

बेंगलुरु में बिजनेस कॉरिडोर दिलाएगा जाम से लोगों को मुक्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु देश के सबसे अच्छे शहरों में से एक है, लेकिन इसका नाम सुनते ही लोगों को यहां ट्रैफिक याद आता है। ट्रैफिक के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

इस बीच राज्य की सिद्दरमैया सरकार ने बेंगलुरु में 117 चद्द लंबे पेरिफेरल रिंग रोड प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। माना जा रहा कि इस सड़क के बन जाने से शहर की भीड़ को कम करने में मदद मिलेगी।

बताया जा रहा है कि सिद्दरमैया कैबिनेट ने लंबे समय से रुके हुए इस रोड प्रोजेक्ट को एक नई पहचान दी है। अब इसको बेंगलुरु बिजनेस कॉरिडोर के नाम से जाना जाएगा। सरकार ने इसके निर्माण की मंजूरी दे दी है।

जानकारी के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट बेंगलुरु डेवलपमेंट अथॉरिटी के तहत पूरा किया जाना है। माना जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट अगले 2 साल में पूरा हो जाएगा।

तेजस एमके 1ए ने पहली बार भरी उड़ान, राजनाथ सिंह बोले- ये नया बेंचमार्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके1ए ने आज अपनी पहली उड़ान भरी। हिंदुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड के नासिक स्थित एयरक्राफ्ट मैन्यूफैक्चरिंग डिविजन से तेजस ने ये उड़ान भरी। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे और उन्होंने इस कदम को ऐतिहासिक बताया।

दरअसल, तेजस की ये उड़ान भारत में ऐसे लड़ाकू विमानों के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस खास मौके पर राजनाथ सिंह ने LCA Mk1A की तीसरी प्रोडक्शन लाइन का उद्घाटन किया।

वहीं, इससे पहले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की तारीफ की। उन्होंने कहा कि एचएएल ने अपने नए मिनी स्मार्ट टाउनशिप प्रोजेक्ट के साथ सस्टेनेबल डेवलपमेंट में एक मिसाल कायम की है।

राजनाथ सिंह ने क्या कहा- आज इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि HAL का मॉडल दूसरी इंडस्ट्रीज के लिए एक बेंचमार्क स्थापित हो रहा है। उन्होंने इस दौरान सस्टेनेबल टाउनशिप बनाने की उनकी कोशिशों के लिए पूरे HAL परिवार को बधाई दी।

अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि पूरी दुनिया पर्यावरण बचाने की बात कर रही है। इस दौर में, HAL ने इस टाउनशिप के जरिए एक मिसाल कायम की है। मेरा मानना है कि HAL का मॉडल अब दूसरी इंडस्ट्रीज के लिए एक बेंचमार्क बनेगा।

सभी मामलों में नहीं दे सकते CBI जांच का आदेश, इलाहाबाद HC के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। शीर्ष न्यायालय ने गुरुवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान महत्वपूर्ण टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालयों और खुद को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी मामले में सीबीआई जांच का आदेश देना अंतिम उपाय होना चाहिए, न कि इसे एक नियमित प्रक्रिया का हिस्सा बना लिया जाए।

इस टिप्पणी के दौरान कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सीबीआई जांच का सहारा तभी लिया जाना चाहिए, जब अन्य सभी विकल्प समाप्त हो जाएं और मामले की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े हों।

गुरुवार को जस्टिस जे.के महेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें यूपी विधान परिषद के कर्मचारियों की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि हाईकोर्ट ने यह आदेश संदेह और अनुमानों के आधार पर पारित किया था। अदालत ने मामले को पुनर्विचार के लिए हाईकोर्ट को वापस भेज दिया।

इस मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस महेश्वरी ने फैसला लिखते हुए कहा कि यह सुव्यवस्थित विधि है कि उच्च न्यायालय या यह न्यायालय सीबीआई जांच का आदेश सामान्य रूप से नहीं दे सकते हैं। संविधान के अनुच्छेद 32 और 226 के तहत यह एक असाधारण संवैधानिक शक्ति है। इसका उपयोग अत्यंत सावधानी और विवेक के साथ किया जाना चाहिए।

दिल्ली-NCR में ठंड के साथ बढ़ा प्रदूषण

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली से ठीक पहले देशभर में मौसम अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। पहाड़ों से लेकर मैदानी हिस्सों तक मौसम में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। सुबह शाम जहां ठंड का एहसास हो रहा है। वहीं, दिन में तेज धूप के साथ गर्मी पड़ रही है। आज कैसा रहेगा मौसम का हाल। दिल्ली-एनसीआर में सुबह शाम हल्की ठंड पड़ रही है। हालांकि दोपहर में तेज धूप के कारण गर्मी का एहसास हो रहा है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 डिग्री जबकि न्यूनतम 18 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

21वीं सदी भारत की, 2047 तक विकसित भारत का सपना होगा साकार, आंध्र प्रदेश में खूब गरजे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 21वीं सदी 140 करोड़ भारतीयों की है। 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार हो जाएगा। %मेक इन इंडिया% की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमने ऑरेशन सिंदूर में घरेलू स्तर पर निर्मित चीजों की ताकत देखी है। गूगल के एआइ हब निवेश से एक नया अंतरराष्ट्रीय सब-सी गेटवे विकसित होगा।

आगे बोले कि इससे कई देशों की समुद्र के नीचे बिछाई गई केबल प्रणालियां जुड़ी होंगी और ये पूर्वी तट पर विशाखापत्तनम तक आएंगी। विगत 16 माह से आंध्र प्रदेश में विकास की गति बहुत तेज हो गई है। डबल इंजन सरकार में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। आंध्र प्रदेश न केवल स्वाभिमान और संस्कृति की भूमि है, बल्कि विज्ञान और नवाचार का केंद्र भी है।

आंध्र प्रदेश में दी 13 हजार करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात- वह गुरुवार को आंध्र प्रदेश के लिए 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास के बाद एक रैली को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले, पीएम ने राज्य के विभिन्न हिस्सों के लिए 13,430 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं उद्योग, बिजली, सड़क, रेलवे, रक्षा विनिर्माण और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी हैं।

उन्होंने कुरनूल-3 पूलिंग स्टेशन पर लगभग 2,880 करोड़ रुपये की लागत से ट्रांसमिशन सिस्टम सुदृढ़ीकरण परियोजना की आधारशिला रखी। उन्होंने कुरनूल में ओर्वाकल औद्योगिक क्षेत्र और कडप्पा में कोप्पर्थी औद्योगिक क्षेत्र की आधारशिला रखी, जिनमें कुल 4,920 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा।

प्रधानमंत्री ने सब्बावरम से शीलानगर तक 960 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से छह लेन वाले ग्रीनफील्ड राजमार्ग की भी आधारशिला रखी। इस परियोजना का उद्देश्य बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम में भीड़भाड़ को कम करना और व्यापार एवं रोजगार को सुगम बनाना है।

उन्होंने 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। ऊर्जा क्षेत्र में मोदी ने गेल इंडिया लिमिटेड की श्रीकाकुलम-अंगुल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का उद्घाटन किया, जिसका निर्माण लगभग 1,730 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

अफगानिस्तान से पिटने के बाद भी नहीं सुधर रहा पाक, अब भारत को लेकर दिया विवादित बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच 48 घंटों का युद्ध विराम जारी है। दोनों पड़ोसी देशों के बीच 8 अक्टूबर को संघर्ष शुरू हुआ था। इस बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इस युद्ध पर भारत को लेकर एक विवादित टिप्पणी की है।

दरअसल, एक पाकिस्तानी समाचार चैनल से बातचीत के दौरान पाक के रक्षा मंत्री ने कहा कि सीमा पर भारत गंदा खेल खेल सकता है। इस दौरान पाक के रक्षा मंत्री ने दावा किया कि उनका देश हर परिस्थिति के लिए तैयार है।

बता दें कि एक समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार के दौरान ख्वाजा आसिफ बॉर्डर पर भारत की उकसावे की कार्रवाई की संभावना के बारे में बात कर रहे थे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने दावा किया कि ऐसी संभावनाएं काफी ज्यादा हैं।

इस साक्षात्कार के दौरान एंकर ने सवाल किया कि क्या अगर टू-फ्रंट वॉर छिड़ जाता है, तो क्या आपने इससे निपटने के तरीके पर प्रधानमंत्री के साथ कोई मीटिंग की है?

इस सवाल के जवाब में आसिफ ने कहा कि हां, स्ट्रैटजी तैयार है। मैं उन पर पब्लिकली बात नहीं कर सकता, लेकिन हम किसी भी हालात के लिए पूरी तरीके से तैयार हैं।

पहले भी आसिफ कर चुके हैं ऐसी टिप्पणी- गौरतलब है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच छिड़े युद्ध के बाद से ही पाक भारत पर कई आरोप लगा रहा है। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने भारत की तरफ से प्रॉक्सी वॉर लड़ने का आरोप लगाया था।

बता दें कि इस हफ्ते की शुरुआत में जियो न्यूज से बात करते हुए पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने अपने देश के आतंकी अतीत को नजरअंदाज करते हुए कहा था कि मुझे शक है कि सीजफायर चलेगा, क्योंकि अफगानिस्तान के फैसले भारत स्पॉन्सर कर रहा है। इतना ही नहीं पाक के रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि अभी काबुल दिल्ली के लिए एक प्रॉक्सी वॉर लड़ रहा है।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान संघर्ष पर भारत का बयान- गुरुवार को विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान संघर्ष पर भारत का रुख साफ किया। उन्होंने एक बयान में कहा कि इस संघर्ष को लेकर तीन बातें साफ हैं। एक, पाकिस्तान टेररिस्ट ऑर्गनाइजेशन को पनाह देता है और टेररिस्ट एक्टिविटी को स्पॉन्सर करता है। दूसरी बात अपनी अंदरूनी नाकामियों के लिए अपने पड़ोसियों को दोष देना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। वहीं, तीसरी बात पाकिस्तान इस बात से नाराज है कि अफगानिस्तान अपने इलाकों पर सॉवरनिटी का इस्तेमाल कर रहा है। भारत अफगानिस्तान की सॉवरनिटी, टेरिटोरियल इंटीग्रिटी और आजादी के लिए पूरी तरह कमिटेड है।

आप गलत हैं, पीएम मोदी ट्रंप से डरते नहीं..., अमेरिकी सिंगर की राहुल गांधी को खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने तंज कसा है। अमेरिकी गायिका ने राहुल गांधी पर पीएम मोदी के खिलाफ उनकी हाल की टिप्पणी को लेकर निशाना साधा है। इतना ही नहीं, अमेरिकी गायिका ने यहां तक कह दिया कि कांग्रेस नेता में प्रधानमंत्री बनने वाली कोई योग्यता नहीं है।

दरअसल, अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन की यह टिप्पणी राहुल गांधी की एक पोस्ट में पीएम मोदी को ट्रंप से डरे हुए कहने के एक दिन बाद आई है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को यह फैसला और घोषणा करने की अनुमति देते हैं कि भारत रूसी तेल नहीं खरीदेगा।

राहुल गांधी की पोस्ट पर अमेरिकी गायिका ने क्या कहा- पीएम मोदी को लेकर राहुल गांधी की ओर से की गई इस पोस्ट पर अमेरिकी गायिका ने कहा कि राहुल गांधी जी आप गलत हैं। पीएम मोदी राष्ट्रपति ट्रंप से डरते नहीं हैं। पीएम मोदी दीर्घकालिक रणनीति को समझते हैं और अमेरिका के साथ उनकी कूटनीतिक रणनीति है। जिस तरीके से राष्ट्रपति ट्रंप हमेशा अमेरिका के हितों को सर्वोपरि रखते हैं, उसी तरीके से पीएम मोदी भी सबसे पहले देश को रखते हैं। पीएम मोदी वही करेंगे जो भारत के लिए अच्छा होगा। मैं इसकी सराहना करती हूं।

अपने पोस्ट में अमेरिकी गायिका ने कहा कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप हमेशा वही करते हैं, जो उनके देश के लिए सही है। उन्होंने कहा कि उनको उम्मीद नहीं है कि राहुल गांधी कभी इस बात को समझ पाएंगे। गायिका ने कहा कि मैं आपसे इस प्रकार के नेतृत्व करने की क्षमता को समझने की उम्मीद नहीं करती हूं, क्योंकि आपके पास भारत का पीएम बनने लायक कौशल नहीं है।

अमेरिकी गायिका मिलबेन हमेशा से पीएम मोदी की प्रशंसक रही हैं। वह एक कलाकार के साथ सांस्कृतिक राजदूत भी हैं। वह जून 2023 में पीएम मोदी से मिली थीं, जब प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका की यात्रा पर थे। उस दौरान उन्होंने रोनाल्ड भवन में भारतीय राष्ट्रगान गाया था। इसके बाद उन्होंने पीएम मोदी का पैर छूकर आशीर्वाद लिया था।

साल में दो महीने भीषण गर्मी झेलने को रहें तैयार, इन देशों पर पड़ेगी सबसे ज्यादा मार

दुनिया भर में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन एवं इसके परिणामस्वरूप तेजी से हो रहे ग्लोबल वार्मिंग को लेकर अंतरराष्ट्रीय मौसम विज्ञानियों के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि सदी के अंत तक विश्व में हर साल लगभग दो महीने बेहद खतरनाक गर्म दिन जुड़ने वाले हैं।

इसके कारण कार्बन प्रदूषण वाले बड़े देशों की तुलना में गरीब छोटे देश सबसे अधिक प्रभावित होंगे। हालांकि, पेरिस जलवायु समझौते के साथ 10 साल पहले शुरू हुए इन गैसों के उत्सर्जन को रोकने के प्रयासों का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। वरन् इन प्रयासों के बिना पृथ्वी पर साल में 114 दिन और घातक अत्यधिक गर्म दिन होते। मौसम विज्ञानियों के अंतरराष्ट्रीय समूह वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन और अमेरिका स्थित क्लाइमेट सेंट्रल ने अपने अध्ययन में यह पता लगाने का प्रयास किया कि कि इस ऐतिहासिक पेरिस समझौते ने जलवायु के सबसे बड़े प्रभावों में से एक हीट वेव (प्रचंड गर्मी) के संदर्भ में लोगों पर कितना असर डाला है। अध्ययन में यह पता लगाने का प्रयास किया गया है कि 2015 में 200 से अधिक देशों में कितने भीषण गर्म दिन देखने को मिले, पृथ्वी को अभी और कितने अति-गर्म दिन देखने मिलेंगे और भविष्य के लिए क्या अनुमान है।

यूनुस शासन और बांग्लादेशी सेना के बीच बढ़ा टकराव, स्थिति और क्यों बिगड़ गई?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार और सेना के बीच तेजी से टकराव बढ़ने लगा है। हालांकि दोनों पक्षों के बीच लंबे समय तक संबंध एवं समन्वय अपेक्षाकृत संतोषप्रद बने रहे, लेकिन अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) द्वारा 24 सैन्य अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने के बाद से स्थिति बहुत बिगड़ गई है। आईसीटी ने लोगों को जबरन गायब किए जाने, यातनाएं देने और गुप्त हिरासत में रखने में उनकी कथित संलिप्तता के लिए ये वारंट जारी किए हैं। इन घटनाक्रमों से सेना के भीतर भारी निराशा पैदा हो गई है। सेना प्रमुख जनरल वकर-उज-जमान अपने अधिकारियों के भारी दबाव का सामना कर रहे हैं, और इसी वजह से उन्हें भारत और सऊदी अरब की अपनी यात्राएं तक रद करनी पड़ीं।

दरअसल, समस्या का असल स्रोत जमात-ए-इस्लामी है। यह संगठन अपने फायदे के लिए यूनुस पर आईसीटी के इस्तेमाल का दबाव डाल रहा है।

इमिग्रेशन एजेंट, बंदूकें और वीजा दिखाने की मांग.... डोनल्ड ट्रंप के एक फैसले ने शिकागो में मचा दिया हाहाकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के शिकागो में इन दिनों इमिग्रेशन को लेकर अफरा-तफरी का माहौल है। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के दूसरे टर्म में इसको लेकर शहर के अंदर काफी बवाल हो रहा है।

पांच हफ्ते पहले इमिग्रेशन को लेकर जो कवायद शुरू की गई थी, वह हाल के दिनों में सबसे अराजक और बवाली ऑपरेशन में बदल गया है। शिकागो में पांच लाख विदेशी मूल के लोग रहते हैं और यहां पर इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) और बॉर्डर पेट्रोल एजेंट चर्च, स्कूल, अपार्टमेंट बिल्डिंग और यहां तक कि कब्रिस्तान के बाहर भी लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। इन लोगों के हाथों में बंदूकें होती हैं और वीजा दिखाने की मांग करते हैं।

लोगों का कहना है कि अधिकारी बिना डॉक्यूमेंट वाले इमिग्रेंट्स और यूएस नागरिकों, दोनों को रोककर पूछताछ कर रहे और सबूत के तौर पर वीजा, पासपोर्ट या शहर में रहने के दस्तावेज मांग कर रहे हैं। इतना ही नहीं कानूनी तौर पर रहने की इजाजत पाने वाला अगर कागज लेकर नहीं चलता है तो उस पर 130 डॉलर का जुर्माना लगाया जा रहा है। अब इसका असर पूरे शहर में दिख रहा है।

कुछ स्कूलों ने सॉफ्ट लॉकडाउन का सहारा लिया है। जब कभी भी आस-पास फेडरल की गाड़ियां दिखती हैं या फिर एजेंट दिखते हैं तो स्टूडेंट्स को घर अंदर रखा जाता है। यहां तक कि रेस्टोरेंट वाले भी परेशान हैं। ये लोग किचन इमिग्रेंट लेबर पर निर्भर हैं और इन लोगों ने अपने काम के घंटे कम कर दिए हैं। पिछले महीने एक डे केयर सेंटर के बाहर हुई झड़प के दौरान ढ्ढष्टश्च ऑफिसर्स ने एक व्यक्ति को गोली मार दी थी।

क्या ट्रंप के H-1B वीजा बम से मिलेगी भारतीयों को राहत? फैसले के खिलाफ कोर्ट पहुंचा US चैंबर ऑफ कॉमर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने हाल के दिनों में लिए गए फैसलों में सबसे अधिक चर्चा H-1B वीजा की रही। राष्ट्रपति ट्रंप ने H-1B वीजा आवेदन के लिए .100,00 सालाना फीस लगाने का फैसला लिया। इस बीच स चैंबर ऑफ कॉमर्स ट्रंप के इस फैसले को कोर्ट में चुनौती देने जा रहा है।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया था कि इस फैसले से अमेरिका की आर्थिक स्थिति काफी मजबूत होगी। अब ट्रंप के इस फैसले असर भी देखने को मिलने लगा है। कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को ये वीजा देना बंद कर दिया है। जिससे कई लोगों पर सीधा असर पड़ा है।

ट्रंप के फैसले के खिलाफ कोर्ट पहुंचा US चैंबर ऑफ कॉमर्स

US चैंबर ऑफ कॉमर्स ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन पर केस करने की तैयारी में है। इस चैंबर ने दावा किया है कि यह फीस गैर-कानूनी है और इससे US व्यवसाय को काफी नुकसान होने की संभावना है।

बता दें कि गुरुवार को वाशिंगटन डीसी में फाइल किए एक फेडरल केस में चैंबर ने कोर्ट से कहा कि वह यह घोषित करे कि प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने फीस लगाकर एग्जीक्यूटिव ब्रांच के अधिकार का उल्लंघन किया है और फेडरल सरकारी एजेंसियों को इसे लागू करने से रोक दिया है।

अमेरिका में मिलने वाला H-1B वीजा हाई स्किल्ड नौकरियों के लिए जिन्हें टेक कंपनियों को भरना मुश्किल लगता है। बता दें कि भारत के लोग सबसे अधिक इस वीजा का उपयोग करके अमेरिकी में नौकरी करते हैं।

नेपाल और मेडागास्कर के बाद इस देश में सरकार के खिलाफ Gen-Z का आंदोलन, हिंसक प्रदर्शन में एक की मौत और कई घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल और मेडागास्कर के बाद अब पेरू में भी त्द्गठ्ठ आंदोलन की आग देखने को मिली है। युवाओं ने पेरू में प्रेसिडेंट जोस जेरी के खिलाफ रात भर प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति का इस्तीफा मांगा। हालांकि, गुरुवार को ही प्रेसिडेंट जोस जेरी ने त्यागपत्र देने से इनकार कर दिया था।

दरअसल, इस जेन-जी प्रदर्शन में कम से कम एक एक व्यक्ति की मौत हो गई है। वहीं, दर्जनों पुलिस ऑफिसर घायल हो गए। राष्ट्रपति जोस जेरी ने कुछ दिन पहले ही पेरू की सत्ता संभाली थी।

क्यों सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारी- जानकारी के मुताबित, बुधवार को सरकार के खिलाफ त्द्गठु ने प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में ट्रांसपोर्ट वर्कर्स और सिविल ग्रुप्स के लोग भी शामिल हुए। करप्शन और बढ़ते क्राइम के खिलाफ ये प्रोटेस्ट किया गया। इससे पहले भी कई प्रदर्शन किए जा चुके हैं। हालांकि, बुधवार रात का ये प्रदर्शन सबसे बड़ा और व्यापक स्तर पर रहा।

बताया जा रहा है कि देश भर में हजारों की संख्या प्रदर्शनकारी जमा हुए। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश, जिसके बाद झड़प देखने को मिली। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान प्रोटेस्ट करने वालों ने पटाखे छोड़ने शुरू कर दिए।

विवादों से घिरी है जेरी सरकार- गौरतलब है कि पेरू की नई जेरी सरकार वर्तमान में विवादों से घिरी है। वर्तमान राष्ट्पति जोस जेरी पेरू कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं। जेरी का नाम एक महिला द्वारा बलात्कार के आरोपों के चलते जांच में भी शामिल है। हालांकि, इन आरोपों को उन्होंने अगस्त में खारिज कर दिया था।

गुजरात में दो यात्री बसों की जोरदार टक्कर, 2 महिलाओं ने मौके पर तोड़ा दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के पारडीबाईपास पर शुक्रवार सुबह भीषण हादसा हो गया. यहां शुक्रवार तड़के दो बसों की टक्कर में दो महिलाओं की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गये. घायलों को इलाज के लिए सावर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गोधरा सिविल अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप शर्मा ने बताया, दो बसों की टक्कर में दो महिलाओं की मौत हो गई, वहीं पांच गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें बड़ौदा रेफर कर दिया गया है। पांच लोगों का सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। यात्रियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बस धार ज़िले के लिमडी से राजगढ़ जा रही थी वहीं दूसरी बस राजकोट से अहमदाबाद होते हुए मध्य प्रदेश जा रही थी, तभी पारडीबाईपास पर भीषण टक्कर हुई। घायलयात्रियों में ज़्यादातर मज़दूर थे जो दिवाली मनाने घर जा रहे थे।

पारडी बाईपास पर दो बसों की टक्कर

सड़क दुर्घटना में जीवित बचे एक व्यक्ति ने बताया, मैं दिवाली मनाने के लिए गुजरात से मध्य प्रदेश जा रहा था, तभी अचानक बसें आपस में टकरा गईं। मैंने लिमडी से बस ली और धार ज़िले के राजगढ़ जा रहा था। बस यात्रियों से खचाखच भरी थी. एक अन्य ने कहा, हम राजकोट से अहमदाबाद होते हुए मध्य प्रदेश जा रहे थे, तभी दूसरी बस हमारी बस से टकरा गई। हम दिवाली मनाने घर जा रहे थे। इससे पहले एक दूसरी घटना में पिछले हफ़्ते दादर के प्लाज़ा बस स्टॉप के पास मातेश्वरीवेट-लीज़ बस एक टेम्पो ट्रैवलर से टकरा गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

असम के तिनसुकिया में आर्मी कैंप पर आतंकी हमला, तीन जवान घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के तिनसुकिया जिले के काकोपाथर क्षेत्र में शुक्रवार सुबह आर्मी कैंप पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया। इस हमले में सेना के तीन जवान घायल हो गए।

इस घटना को लेकर सेना के एक अधिकारी ने बताया कि सेना और पुलिस ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए इलाके में सर्चऑपरेशन शुरू किया है।

रात 12.30 बजे के करीब कुछ आतंकवादियों ने चलती गाड़ी से काकोपाथर कंपनी की जगह पर फायरिंग की। ड्यूटी पर मौजूद सैनिकों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। हालांकि, आसपास के घरों को नुकसान से बचाने के लिए सावधानी भी बरती गई।

सेना के एक अधिकारी ने बताया कि जवाबी कार्रवाई के बाद आतंकवादी ऑटोमैटिक हथियारों से जानबूझकर फायरिंग करने के बाद मौके से भाग गए।

बताया गया कि इस हमले में तीन जवानों को मामूली चोटें आई हैं। इलाके में पुलिस के साथ मिलकर सर्चऑपरेशन चलाया जा रहा है। यह इलाका असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच इंटरस्टेटबॉर्डर के पास है।

किसने तोड़ी हनुमान जी की प्रतिमा? तेलंगाना में बजरंगबली की मूर्ति खंडित, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के मेडचल-मलकाजगिरी जिले में हनुमान जी टूटी हुई मूर्ति मिली है। इस घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। हनुमान जी की टूटी हुई प्रतिमा की खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और घटना की जांच शुरू की।

दरअसल, यह मामला मेडचल-मलकाजगिरी जिले के कीसरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत रामपल्ली गांव है। जहां हनुमान जी की प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई है। यह प्रतिमा कैसे क्षतिग्रस्त हुई अभी जांच के ही बाद बता चलेगा। हनुमान जी की प्रतिमा को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। पुलिस द्वारा मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

कीसरा पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमें घटना की सूचना मिली और हमारे पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। हम मामले की जांच कर रहे हैं। हमें संदेह है कि भगवान हनुमान की मूर्ति के एक हाथ में दरार आ गई होगी, जिससे वह टूट गई होगी। हम मामले की जांच कर रहे हैं।

सीसीटीवी फुटेज की ली जा रही मदद- अधिकारी मूर्ति और आसपास के क्षेत्र की जांच कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि मूर्ति को नुकसान क्यों पहुंचा और क्या इसमें कोई गड़बड़ी थी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच में जुटी हुई है।

एप्पल ने यहां निवेश किया, आंध्र प्रदेश में नहीं; सिद्धरमैया का नारा लोकेश पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आंध्र प्रदेश के साथ निवेश को लेकर चल रहे विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि निवेशक अपनी पसंद के अनुसार निवेश करेंगे। गूगल द्वारा विशाखापट्टनम में निवेश करने के फैसले के बाद उन्होंने कहा कि एप्पल ने कर्नाटक में निवेश किया है।

दरअसल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के बीच सड़कों के गड्ढों और निवेश के मौकों को लेकर चल रही जंग अब और तेज हो गई है। बुनियादी ढांचे को लेकर शुरू विवाद के बाद दोनों राज्यों के मंत्रियों के बीच सोशल मीडिया पर बहस हुई। नारा लोकेश ने कहा कि आंध्र प्रदेश ने 120 अरब डॉलर से अधिक का निवेश आकर्षित किया है।

सोशल मीडिया पर की आलोचना- कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आलोचकों (और नारा लोकेश) की ओर इशारा करते हुए कहा, एप्पल ने यहां निवेश किया है, आंध्र प्रदेश में नहीं। उन्होंने कर्नाटक को निशाना बनाकर जानबूझकर सोशल मीडिया पोस्ट करने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा निवेशक वहीं निवेश करेंगे जहां वे चाहेंगे।

कर्नाटक जल रहा है- सिद्धारमैया की यह प्रतिक्रिया नारा लोकेश और जनता दल सेक्युलर के नेता निखिल कुमारस्वामी द्वारा गुरुवार को एक्स पर की गई व्यंग्यात्मक पोस्ट के बाद आई है। लोकेश ने कहा, कर्नाटक जल रहा है! जेडीएस प्रमुख एचडी कुमारस्वामी के पुत्र कुमारस्वामी ने कांग्रेस और आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी की तुलना की, जो जेडीएस की तरह भारतीय जनता पार्टी की सहयोगी है। गौरतलब है कि दोनों के बीच यह विवाद सितंबर के मध्य से चल रहा है, जब बेंगलुरु स्थित एक लॉजिस्टिक्स फर्म के सह-संस्थापक राजेश याबाजी ने बेलंदूर इलाके में अपने नौ साल पुराने कार्यालय तक पहुंचने के लिए लंबे समय तक आने-जाने और खराब सड़कों की शिकायत की थी।

छत्तीसगढ़ में 208 माओवादियों ने डाले हथियार, लाल आतंक से मुक्त हुआ उत्तरी बस्तर

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में नक्सल के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एक साथ 208 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 110 महिलाएं और 98 पुरुष शामिल हैं, जो प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के विभिन्न रैंकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। सभी नक्सलियों ने ने 153 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है।

दरअसल, सरकार छत्तीसगढ़ से नक्सलियों का सफाया करने पर लग गई है। नक्सलियों के सफाया के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय की है। इस कड़ी में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में नक्सिलयों का सरेंडर नक्सल विरोधी अभियान के लिए बड़ी सफलता है।

अधिकारियों ने बताया कि अबूझमाड़ का अधिकांश हिस्सा नक्सली प्रभाव से मुक्त हो गया है, जिससे उत्तरी बस्तर में दशकों से चल रहे लाल आतंक का अंत हो गया है। यानी अब नक्सलवाद सिर्फ दक्षिणी बस्तर में ही बचा है।

अधिकारियों के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले समूह में 110 महिलाएं और 98 पुरुष शामिल हैं, सरेंडर करने वाले नक्सली भाकपा (माओवादी) संगठन के विभिन्न रैंकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनमें एक केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम), चार दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति (डीकेएसजेडसी) सदस्य, एक क्षेत्रीय समिति सदस्य, 21 संभागीय समिति सदस्य (डीवीसीएम), 61 क्षेत्रीय समिति सदस्य (एसीएम), 98 पार्टी सदस्य और 22 पीएलजीए/आरपीसी/अन्य कार्यकर्ता शामिल हैं।

नक्सल विरोधी अभियान के दौरान, माओवादियों ने 153 हथियार पुलिस को सौंपे, जिनमें 19 एके-47 राइफलें, 17 एसएलआर राइफलें, 23 इंसास राइफलें, एक इंसास एलएमजी, 36 .303 राइफलें, चार कार्बाइन, 11 बीजीएल लांचर, 41 बारह-बोर या सिंगल-शॉट बंदूकें और एक पिस्तौल शामिल हैं।

सबरीमाला गोल्ड चोरी मामले में SIT की बड़ी कार्रवाई, मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर से सोने की चोरी के मामले में एसआईटी ने मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले पोट्टी से क्राइम ब्रांच की टीम तिरुवनंतपुरम में पूछताछ कर रही थी। पूछताछ के बाद केरल उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त विशेष जांच दल द्वारा गिरफ्तार किया गया है।

दरअसल, यह पूरा मामला केरल के प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर के गर्भगृह के लकड़ी के पैनल और द्वारपालक (द्वारपालक) की मूर्तियों से सोने की परत की चोरी से संबंधित है। यह कार्रवाई कोर्ट द्वारा गठित कई गई एसआईटी द्वारा की गई। एसआईटी ने पोट्टी के खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं, पोट्टी पर कथित तौर पर एक प्रायोजक की आड़ में मंदिर से सोने की तस्करी करने का आरोप है।

गुरुवार देर रात तिरुवनंतपुरम जनरल अस्पताल में उन्नीकृष्णन पोट्टी की मेडिकल जांच हुई और आज दोपहर उन्हें रन्नी अदालत में पेश किया जाएगा। एसआईटी आगे की पूछताछ और जांच के लिए उनकी हिरासत की भी मांग कर सकती है।

त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) के अध्यक्ष पीएस प्रशांत ने बताया कि सबरीमाला सोना चोरी मामले में कथित संलिप्तता के लिए सहायक अभियंता के. सुनील कुमार को निलंबित कर दिया था। कुमार को इस मामले में आरोपी बनाया गया है। प्रशांत ने कहा कि सोना चढ़ाने के विवाद में शामिल सेवानिवृत्त अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया जाएगा और जवाब देने के लिए 10 दिनों का समय दिया जाएगा। स्पष्टीकरण मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशांत ने 2019 की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि खोई हुई संपत्ति वापस मिलनी चाहिए और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि देवस्वम बोर्ड के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और कर्मचारियों पर हमले खेदजनक हैं क्योंकि बोर्ड सभी रीति-रिवाजों और परंपराओं का पालन करते हुए आगे बढ़ रहा है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए। पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

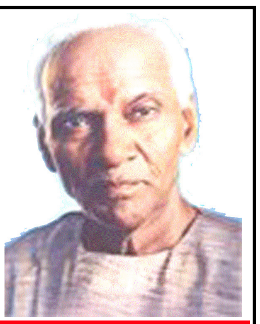

विक्रम संवत 2079 कृष्ण द्वादशी

संपादकीय

जिस पीढ़ी ने स्वतंत्रता देखी, उसने भारत को खाद्यान्न की कमी से अधिशेष की ओर....

जिस पीढ़ी ने स्वतंत्रता देखी, उसने भारत को खाद्यान्न की कमी से अधिशेष की ओर, 400 मिलियन लोगों से 1.4 बिलियन की ओर, तथा गांधीवादी सादगी से लेकर अक्सर विशेषाधिकार और शक्ति द्वारा संचालित राजनीति की ओर परिवर्तित होते देखा।

मिलेनियल्स या जेनरेशन ´ के लिए, उन अस्सी साल से ज़्यादा उम्र के लोगों से बातचीत करना काफ़ी दिलचस्प होगा, जो ब्रिटिश साम्राज्य में जन्मे थे, लेकिन आज़ाद भारत के नागरिक बनने के लिए भाग्यशाली रहे, और आज भी सक्रिय और सतर्क हैं! उन्होंने पिछली सदी के पचास के दशक के अंत और साठ के दशक के शुरुआती वर्षों में विश्वविद्यालयों में लोकतंत्र की बुनियादी बातें सीखीं!

इन वरिष्ठ नागरिकों ने भारत की जनसंख्या में 40 करोड़ से 140 करोड़ तक के महान परिवर्तन और उसके बाद आए सभी प्राकृतिक परिणामों को देखा है। वे ऐसे माहौल में पले-बढ़े हैं जो अद्वितीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रचारित और अपनाए गए मूल्यों और सिद्धांतों की सुगंध से भरपूर है। वे याद कर सकते हैं कि कैसे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को देशवासियों से ÷हर हफ्ते एक भोजन छोड़ने÷ की अपील करनी पड़ी थी, क्योंकि हमारे पास खाद्यान्न की कमी थी!

आज भारत सौ करोड़ से ज़्यादा लोगों का पेट भरता है और खाद्यान्नों का निर्यातक भी है! दुर्भाग्य से, भारतीयों का यह चुनिंदा समूह, गर्व से संजोए गए गांधीवादी मूल्यों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के क्षरण का भी गवाह है। इसने चुपचाप एक अराजनीतिक वर्ग के उदय को देखा है, जो विभिन्न दलों से जुड़ा है और सुविधाओं, विशेषाधिकारों और धन-दौलत का शिकार हो रहा है! उनके लिए, लोकतंत्र बस चुनाव जीतना, सत्ता का पद पाना और फिर बेशर्मी से - अपवादों को छोड़कर - धन संचय के लिए उसका इस्तेमाल करना है। सबसे मज़ेदार किस्सा जो सब कुछ बयां करता है, वह एक पूर्व मुख्यमंत्री का है, जिसे अदालत ने अड़तालीस घंटे के भीतर ही पद से हटा दिया! जब उन्हें माहौल अनुकूल लगा - मुझे विस्तार से बताने की ज़रूरत नहीं - तो उन्होंने अदालत का दरवाज़ा खटखटाया कि उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री घोषित किया जाए! हालाँकि, उनकी याचिका खारिज कर दी गई। जनता के पूर्व-हितैषियों को अब कई विशेषाधिकार कानूनी तौर पर आजीवन उपलब्ध हैं, जिनमें सभी पूर्व-मुख्यमंत्री शामिल हैं! ये सम्मान माननीय सांसदों, यानी जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा स्वयं को प्रदान किये गये हैं!

कोई सोच सकता है कि महात्मा गांधी ऐसी स्थिति में क्या प्रतिक्रिया देते! संयुक्त राष्ट्र महासभा में ÷भारतीय लोकतंत्र में गांधीवादी मूल्यों÷ पर भाषण देने वाले एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल के बारे में सोचिए! इसका नेतृत्व वरिष्ठ राजनेता शरद पवार कर सकते थे, और इसमें लालू प्रसाद यादव, अरविंद केजरीवाल, अजित पवार, ए राजा, पार्थ चटर्जी, मधु कोड़ा, अखिलेश यादव, एमके स्टालिन, कनिमोझी, सुप्रिया सुले, तेजस्वी यादव, मीसा भारती, अजय चौटाला जैसे महान उत्तराधिकारी शामिल हो सकते थे। शांति, अहिंसा, सत्य, सामाजिक समरसता, मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है, जैसे विषयों पर उनके प्रस्तुतीकरण की कल्पना कीजिए! मुझे यकीन है कि उनमें से कुछ महात्मा गांधी, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, लाल बहादुर शास्त्री, गुलजारी लाल नंदा और निश्चित रूप से एपीजे अब्दुल कलाम का उल्लेख ज़रूर करेंगे! भारत की शाश्वत शक्ति का उदाहरण इस तथ्य से मिलता है कि यह सूची अभी भी लंबी है! यकीन मानिए, कोई भी प्रतिनिधि अपनी तेज़ आर्थिक उन्नति, जिसमें स्विस बैंक खाते वगैरह शामिल हैं, का ज़िक्र नहीं करेगा। जब चुने हुए प्रतिनिधि निष्ठा और गोपनीयता की शपथ लेते हैं, तो उनके अंदर की हलचल का अंदाज़ा लगाया जा सकता है!

धनतेरस

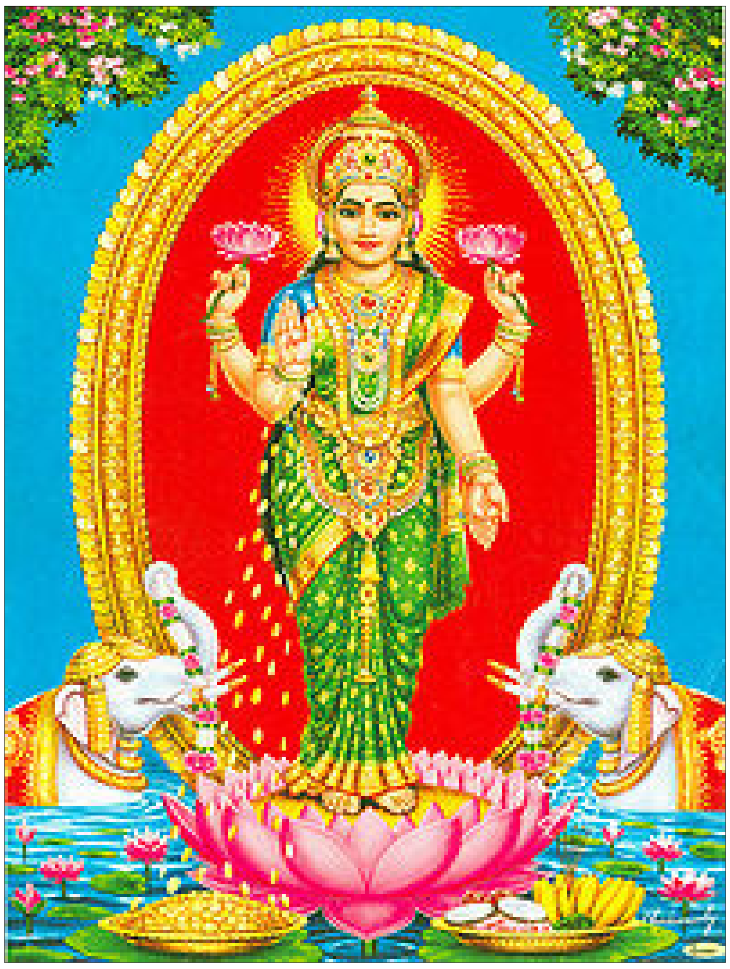

धनतेरस हिन्दू धर्म में मनाया जाने वाला प्रसिद्ध त्योहार है। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन भगवान धन्वन्तरि का जन्म हुआ था, इसलिए इस तिथि को धनतेरस या धनत्रयोदशी के नाम से जाना जाता है। भारत सरकार ने धनतेरस को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। धनतेरस दीपावली आने की पूर्व सूचना देता है। हमारे देश में सर्वाधिक धूमधाम से मनाए जाने वाले त्योहार दीपावली का प्रारंभ धनतेरस से हो जाता है। इसी दिन से घरों की लिपाई-पुताई प्रारम्भ कर देते हैं। दीपावली के लिए विविध वस्तुओं की ख़रीद आज की जाती है। इस दिन से कोई किसी को अपनी वस्तु उधार नहीं देता। इसके उपलक्ष्य में बाज़ारों से नए बर्तन, वस्त्र, दीपावली पूजन हेतु लक्ष्मी-गणेश, खिलौने, खील-बताशे तथा सोने-चांदी के जेवर आदि भी ख़रीदे जाते हैं।

महत्त्व

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्त्व है। शास्त्रों में इस बारे में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी आज ही से प्रारम्भ हो जाती है। इस दिन घरों को स्वच्छ कर, लीप-पोतकर, चौक, रंगोली बना सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन ख़रीदना शुभ माना गया है। इस दिन चांदी के बर्तन ख़रीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन हल जुती मिट्टी को दूध में भिगोकर उसमें सेमर की शाखा डालकर लगातार तीन बार अपने शरीर पर फेरना तथा कुंकुम लगाना चाहिए। कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावली, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए। तुला राशि के सूर्य में चतुर्दशी व अमावस्या की सन्ध्या को जलती लकड़ी की मशाल से पितरों का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए।

पूजन विधि

इस दिन वैदिक देवता यमराज का पूजन किया जाता है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है, जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है।

इस दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं इस दीप को जमदीवा अर्थात् यमराज का दीपक कहा जाता है।

रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए।

जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें ही, साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो।

धन्वन्तरि जयन्ती

आज ही के दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता धन्वन्तरि वैद्य समुद्र से अमृत कलश लेकर प्रगट हुए थे, इसलिए धनतेरस को धन्वन्तरि जयन्ती भी कहते हैं। इसीलिए वैद्य-हकीम और ब्राह्मण समाज आज धन्वन्तरि भगवान का पूजन कर धन्वन्तरि जयन्ती मनाता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि धनतेरस आयुर्वेद के जनक धन्वंतरि की स्मृति में मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घरों में नए बर्तन ख़रीदते हैं और उनमें पकवान रखकर भगवान धन्वंतरि को अर्पित करते हैं। लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि असली धन तो स्वास्थ्य है।

धन्वंतरि ईसा से लगभग दस हज़ार वर्ष पूर्व हुए थे। वह काशी के राजा महाराज धन्व के पुत्र थे। उन्होंने शल्य शास्त्र पर महत्त्वपूर्ण गवेषणाएं की थीं। उनके प्रपौत्र दिवोदास ने उन्हें परिमार्जित कर सुश्रुत आदि शिष्यों को उपदेश दिए इस तरह सुश्रुत संहिता किसी एक का नहीं, बल्कि धन्वंतरि, दिवोदास और सुश्रुत तीनों के वैज्ञानिक जीवन का मूर्त रूप है। धन्वंतरि के जीवन का सबसे बड़ा वैज्ञानिक प्रयोग अमृत का है। उनके जीवन के साथ अमृत का कलश जुड़ा है। वह भी सोने का कलश। अमृत निर्माण करने का प्रयोग धन्वंतरि ने स्वर्ण पात्र में ही बताया था। उन्होंने कहा कि जरा मृत्यु के विनाश के लिए ब्रह्मा आदि देवताओं ने सोम नामक अमृत का आविष्कार किया था। सुश्रुत उनके रासायनिक प्रयोग के उल्लेख हैं। धन्वंतरि के संप्रदाय में सौ प्रकार की मृत्यु है। उनमें एक ही काल मृत्यु है, शेष अकाल मृत्यु रोकने के प्रयास ही निदान और चिकित्सा हैं। आयु के न्यूनाधिक्य की एक-एक माप धन्वंतरि ने बताई है।

धनतेरस की कथा

एक समय भगवान विष्णु मृत्युलोक में विचरण करने के लिए आ रहे थे, लक्ष्मी जी ने भी साथ चलने का आग्रह किया। विष्णु जी बोले- यदि मैं जो बात कहूं, वैसे ही मानो, तो चलो। लक्ष्मी जी ने स्वीकार किया और भगवान विष्णु, लक्ष्मी जी सहित भूमण्डल पर आए। कुछ देर बाद एक स्थान पर भगवान विष्णु लक्ष्मी से बोले-जब तक मैं न आऊं, तुम यहाँ ठहरो। मैं दक्षिण दिशा की ओर जा रहा हूं, तुम उधर मत देखना। विष्णुजी के जाने पर लक्ष्मी को कौतुक उत्पन्न हुआ कि आख़िर दक्षिण दिशा में क्या है जो मुझे मना किया गया है और भगवान स्वयं दक्षिण में क्यों गए, कोई रहस्य ज़रूर है। लक्ष्मी जी से रहा न गया, ज्योंही भगवान ने राह पकड़ी, त्योंही लक्ष्मी भी पीछे-पीछे चल पड़ीं। कुछ ही दूर पर सरसों का खेत दिखाई दिया। वह ख़ूब फूला था। वे उधर ही चलीं। सरसों की शोभा से वे मुग्ध हो गईं और उसके फूल तोड़कर अपना श्रृंगार किया और आगे चलीं। आगे गन्ने (ईख) का खेत खड़ा था। लक्ष्मी जी ने चार गन्ने लिए और रस चूसने लगीं। उसी क्षण विष्णु जी आए और यह देख लक्ष्मी जी पर नाराज़ होकर शाप दिया- मैंने तुम्हें इधर आने को मना किया था, पर तुम न मानीं और यह किसान की चोरी का अपराध कर बैठीं। अब तुम उस किसान की 12 वर्ष तक इस अपराध की सज़ा के रूप में सेवा करो। ऐसा कहकर भगवान उन्हें छोड़कर क्षीरसागर चले गए। लक्ष्मी किसान के घर रहने लगीं।

वह किसान अति दरिद्र था। लक्ष्मीजी ने किसान की पत्नी से कहा- तुम स्नान कर पहले इस मेरी बनाई देवी लक्ष्मी का पूजन करो, फिर रसोई बनाना, तुम जो मांगोगी मिलेगा। किसान की पत्नी ने लक्ष्मी के आदेशानुसार ही किया। पूजा के प्रभाव और लक्ष्मी की कृपा से किसान का घर दूसरे ही दिन से अन्न, धन, रत्न, स्वर्ण आदि से भर गया और लक्ष्मी से जगमग होने लगा। लक्ष्मी ने किसान को धन-धान्य से पूर्ण कर दिया। किसान के 12 वर्ष बड़े आनन्द से कट गए। तत्पश्चात् 12 वर्ष के बाद लक्ष्मीजी जाने के लिए तैयार हुईं। विष्णुजी, लक्ष्मीजी को लेने आए तो किसान ने उन्हें भेजने से इंकार कर दिया। लक्ष्मी भी बिना किसान की मर्ज़ी वहाँ से जाने को तैयार न थीं। तब विष्णुजी ने एक चतुराई की। विष्णुजी जिस दिन लक्ष्मी को लेने आए थे, उस दिन वारुणी पर्व था। अतः किसान को वारुणी पर्व का महत्त्व समझाते हुए भगवान ने कहा- तुम परिवार सहित गंगा में जाकर स्नान करो और इन कौड़ियों को भी जल में छोड़ देना। जब तक तुम नहीं लौटोगे, तब तक मैं लक्ष्मी को नहीं ले जाऊंगा। लक्ष्मीजी ने किसान को चार कौड़ियां गंगा के देने को दी। किसान ने वैसा ही किया। वह सपरिवार गंगा स्नान करने के लिए चला। जैसे ही उसने गंगा में कौड़ियां डालीं, वैसे ही चार हाथ गंगा में से निकले और वे कौड़ियां ले लीं। तब किसान को आश्चर्य हुआ कि वह तो कोई देवी है। तब किसान ने गंगाजी से पूछा-माता! ये चार भुजाएं किसकी हैं? गंगाजी बोलीं- हे किसान! वे चारों हाथ मेरे ही थे। तूने जो कौड़ियां भेंट दी हैं, वे किसकी दी हुई हैं? किसान ने कहा- मेरे घर जो स्त्री आई है, उन्होंने ही दी हैं।

यस बैंक के शेयरों में अचानक क्यों आई तेज गिरावट? इस खबर से टूटा तेजी का सिलसिला, आम निवेशक हुए निराश

नई दिल्ली (एजेंसी)। यस बैंक के शेयरों में जारी अच्छी तेजी के बाद अचानक बड़ी गिरावट आ गई है। दरअसल, जापानी बैंकिंग ग्रुप सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन ने कहा है कि उसकी यस बैंक में अपनी हिस्सेदारी 24.99% से अधिक बढ़ाने की उसकी कोई योजना फिलहाल नहीं है। इस बयान के बाद यस बैंक के शेयर इंट्रा डे में 4% से ज्यादा टूट गए।

17 अक्तूबर को यस बैंक के शेयर 23.13 रुपये के स्तर पर खुले और 22.05 रुपये का लो लगा दिया। यस बैंक के शेयरों में पिछले कुछ सत्रों से अच्छी तेजी के बाद 24 रुपये के स्तरों से गिरावट देखने को मिली है। 15 अक्तूबर को भी शेयरों में 3 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली थी। जापानी बैंकिंग फर्म एसएमबीसी ग्रुप के इंडियन डिवीजन के प्रमुख और ग्रुप सीईओ राजीव कन्नन ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि जापानी बैंक, यस बैंक के बोर्ड में सबसे बड़े शेयरधारक के रूप में योगदान देने पर अपना ध्यान केंद्रित किए हुए है लेकिन बैंक में एक्जीक्यूटिव रोल लेने का इरादा नहीं रखता है।

कन्नन ने कहा, हम यस बैंक में अपनी हिस्सेदारी सेबी की तय सीमा 24.99% से आगे बढ़ाने पर सक्रिय रूप से विचार नहीं कर रहे हैं। ऐसे कई क्षेत्र हैं जिन पर यस बैंक को अभी काम करने की ज़रूरत है, और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जिन क्षेत्रों में काम करने की उनकी योजना है, उन पर अमल हो रहा है।

बता दें कि एसएमबीसी की वर्तमान में यस बैंक में 24.2त्न हिस्सेदारी है। अगस्त में इस जापानी बैंकिंग फर्म को भारतीय स्टेट बैंक और 7 अन्य शेयरधारकों से यस बैंक में 24.99% तक हिस्सेदारी खरीदने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी मिली थी। मई में SMBC ने 1.6 बिलियन डॉलर में 20त्न हिस्सेदारी खरीदने के लिए यस बैंक के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। खास बात है कि यह भारत में विदेशी संस्था द्वारा सबसे बड़ा फाइनेंशियल सेक्टर का मर्जर और अधिग्रहण था।

70 घंटे काम करो, कहने वाले नारायण मूर्ति के परिवार को बिना कुछ किए मिलेगा 347 करोड़ का डिविडेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन्फोसिस के फाउंडर एन आर नारायण मूर्ति ने काम के घंटों के लेकर कई बयान दिए हैं। उनका एक बयान बहुत ही वायरल हुआ था, जिसमें वह 70 घंटे काम करने की बात कर रहे थे। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर वर्क अवर्स को लेकर बाढ़ आ गई थी। अब शायद आप नारायण मूर्ति को जान गए होंगे। दरअसल, उनकी कंपनी इन्फोसिस ने अंतरिम डिविडेंड की घोषणा की है। कंपनी ने तिमाही नतीजों के साथ प्रति शेयर 23 रुपये का अंतरिम लाभांश देने की घोषणा की। यही कारण है कि नारायण मूर्ति के परिवार को इस डिविडेंड से 347 करोड़ रुपये का लाभ होने वाला है।

इन्फोसिस ने वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में 7,364 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। यह वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही के 6,506 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ से 13.2त्न की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। इस बीच, कंपनी का परिचालन राजस्व 8.5त्न बढ़कर 44,490 करोड़ रुपये हो गया। इसके खर्च बढ़कर 35,243 करोड़ रुपये हो गए। नतीजों को घोषणा के साथ इन्फोसिस ने 23 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। कंपनी ने भुगतान प्राप्त करने के लिए शेयरधारकों की पात्रता निर्धारित करने हेतु 27 अक्टूबर को रिकॉर्ड तिथि निर्धारित की है। यानी अगर इस तारीख से पहले आपके डीमैट अकाउंट में इन्फोसिस के शेयर आ जाते हैं यानी आप खरीद लेते हैं तो आपको भी प्रति शेयर 23 रुपये का डिविडेंड मिलेगा।

कोका-कोला, स्प्राइट, थम्सअप की बोतल बनाने वाली कंपनी लाएगी 8800 करोड़ का IPO

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोका कोला, स्प्राइट और थम्सअप जैसे प्रोडक्ट के लिए बोतल बनाने वाली कंपनी को कोका कोला ही मैनेज करती है। मनी कंट्रोल रिपोर्ट के अनुसार कोका कोला अपने बॉटलिंग बिजनेस का IPO लाने का प्लान बना रही है।

कंपनी ने हाल के हफ्तों में हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस प्राइवेट लिमिटेड के संभावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम पर चर्चा करने के लिए बैंकरों के साथ मुलाकात की है। सूत्रों के अनुसार, इस इकाई का मूल्य लगभग 10 अरब डॉलर होगा। सूत्रों ने नाम न बताने की शर्त पर एक निजी मामले पर चर्चा की। सूत्रों के अनुसार, यह प्रक्रिया अभी शुरुआती चरण में है और कंपनी ने अभी तक इस सौदे के लिए बैंकरों की नियुक्ति नहीं की है।

एक सूत्र के अनुसार, अगर यह सौदा आगे बढ़ता है, तो यह संभवतः अगले साल होगा। सूत्रों के अनुसार, विचार-विमर्श अभी जारी है, इसलिए IPO के समय, संरचना और आकार जैसे विवरण अभी भी बदल सकते हैं।

कोका-कोला वैश्विक कंपनियों द्वारा अपनी भारतीय इकाइयों को सूचीबद्ध करने के बढ़ते चलन में शामिल हो जाएगा, जैसा कि हाल ही में स्त्र Electronics के इसी महीने 1.3 बिलियन डॉलर के आईपीओ और पिछले साल हुंडई मोटर कंपनी के रिकॉर्ड तोड़ 3.3 बिलियन डॉलर के आईपीओ के साथ हुआ था।

अंबानी के कैंपा से मिल रही कोका कोला को टक्कर-हालांकि भारत कोका-कोला के सबसे बड़े बाजारों में से एक है, लेकिन हाल के वर्षों में उसे वहाँ बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, खासकर अंबानी की कैम्पा कोला से, जो 200 मिलीलीटर की बोतलों की कीमत 10 रुपये (11 सेंट) से भी कम रखकर तेजी से बाजार में हिस्सेदारी हासिल कर रही है।

क्या सूखी जाएगी किसानों की दिवाली या फिर खाते में आएंगे 2-2 हजार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम किसान योजना की 21वीं किस्त देश के चार राज्यों के किसानों को जारी की जा चुकी हैं। लेकिन अभी अन्य राज्य के किसान इसके इंतजार में है। उनका यह इंतजार दिवाली के करीब आ पहुंचा है। इस बार दिवाली 20 अक्टूबर को है। और आज 17 अक्टूबर की तारीख है। 18 अक्टूबर को धनतेरस है। ऐसे में किसानों के मन में दो सवाल हैं कि क्या धनतेरस पर खुशखबरी मिलेगी। या फिर 18 अक्टूबर के बाद यानी 19 को खुशखबरी मिलेगी या फिर सीधे दिवाली वाले दिन 20 को। आइए इसे समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर पीएम किसान योजना की 21वीं किस्त की इस दिवाली पर आने की कितनी संभावना है।

पीएम किसान की 21वीं किस्त का क्या है ताजा अपडेट?

पीएम किसान योजना की 21वीं किस्त को लेकर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। दिवाली करीब आ गई है। वहीं, पिछले दो सालों की बात करें तो 2023 में इस समय वाली किस्त 15 नवंबर को आई थी। और 2024 में यह 5 अक्टूबर को आई थी। यानी पिछली बार यह किस्त दिवाली से पहले आई गई थी। इस बार अभी तक नहीं आई है। और 18 तारीख को धनतेरस हैं। ऐसे में बैंक तो खुला रहेगा लेकिन संभावना कम है कि इस दिन 21वीं किस्त आए।

अभी खरीदो! अगली दीवाली 2026 तक इन 5 स्टॉक्स से बनेंगे मालामाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। दिग्गज ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपनी ताजा फोकस इन्वेस्टमेंट आइडियाज रिपोर्ट में पांच चुनिंदा स्टॉक्स की सिफारिश की है, जो मार्जिन ट्रेडिंग फैसिलिटी (एमटीएफ) के तहत उपलब्ध हैं।

यह रिपोर्ट एक साल की होराइजन पर आधारित है, यानी यदि आप अगले दिवाली 2026 तक मुनाफा कमाने की योजना बना रहे हैं, तो ये स्टॉक्स खरीदने का सही समय हो सकता है।

ब्रोकरेज ने करीब 5 स्टॉक्स को बाय रेटिंग दी है और इनमें 16त्न से 32त्न तक की अपसाइड पोटेंशियल का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ये सिफारिशें बाजार की मौजूदा स्थितियों, कंपनियों की मजबूत ग्रोथ प्रॉस्पेक्ट्स और सेक्टरल ट्रेंड्स पर आधारित हैं।

ओसवाल ने निवेशकों को कम मार्जिन पर लंबी अवधि के लिए स्टॉक्स होल्ड करने की बात कही है, जिससे लीवरेज का फायदा मिलता है। विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी त्योहारी सीजन और आर्थिक रिकवरी के बीच ये स्टॉक्स मजबूत प्रदर्शन कर सकते हैं।

मोतीलाल ओसवाल के एनालिस्ट्स ने कहा, ÷ये स्टॉक्स डाइवर्सिफाइड सेक्टर्स जैसे रिन्यूएबल एनर्जी, कंज्यूमर टेक, डिफेंस, सीमेंट और टेलीकॉम से चुने गए हैं। एक वर्ष की होराइजन में ये न केवल कैपिटल गेन दे सकते हैं, बल्कि डिविडेंड और सेक्टरल टेलविंड्स से अतिरिक्त फायदा भी प्रदान करेंगे।

एक्मे सोलर को सबसे ज्यादा अपसाइड वाला स्टॉक बताया गया है, जो रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की तेजी से लाभान्वित हो सकता है। वहीं, स्विगी कंज्यूमर इंटरनेट स्पेस में अपनी मजबूत पोजीशन के कारण 26त्न रिटर्न का दे सकता है।

डिफेंस सेक्टर के दिग्गज बीईएल और सीमेंट लीडर डालमिया भारत दोनों 20त्न अपसाइड के साथ आकर्षक लग रहे हैं, जबकि भारती एयरटेल टेलीकॉम सेक्टर की स्थिरता पर 16त्न की ग्रोथ दिखा रहा है।

मोतीलाल ओसवाल की यह रिपोर्ट निवेशकों को दीर्घकालिक होल्डिंग के लिए प्रोत्साहित करती है। यदि आप अगले दिवाली तक पोर्टफोलियो को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो ये आइडियाज आपके लिए गेम-चेंजर साबित हो सकते हैं।

दिवाली के मौके पर 2 दिन बंद रहेगा शेयर बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार के दिवाली के मौके पर 2 दिन के लिए बंद रहेंगे। हालांकि, दिवाली वाले दिन 20 अक्तूबर को शेयर मार्केट खुले रहेंगे, जबकि 21 और 22 अक्तूबर को क्लोज होंगे। वहीं, 21 अक्तूबर के दिन ही मार्केट 1 घंटे के लिए मुहूर्त ट्रेडिंग के अवसर खुला रहेगा। शेयर बाजार की छुट्टियां, निवेशक और ट्रेडर्स, दोनों के लिए काफी मायने रखती हैं। क्योंकि, वे इसी के आधार पर अपनी पॉजिशन क्लोज करते हैं।

एनएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 21 अक्तूबर 2025 को शेयर मार्केट दिवाली के मौके पर बंद रहेंगे, जबकि 22 अक्तूबर को बलिप्रतिपदा (दिवाली पड़वा या गोवर्धन पूजा) के मौके पर क्लोज रहेंगे।

दिवाली के मौके पर मार्केट में होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग 21 अक्तूबर को होगी। खास बात है कि यह स्पेशल ट्रेडिंग सेशन दोपहर में होगा। इससे पहले सालों से मुहूर्त ट्रेडिंग शाम के समय होती आई है।

इस साल मुहूर्त ट्रेडिंग मंगलवार, 21 अक्टूबर, 2025 को होगी। प्री-ओपन सेशन दोपहर 1¬30 बजे से 1¬45 बजे तक चलेगा, जिसके बाद ट्रेडिंग विंडो दोपहर 1¬45 बजे से ओपन होगी और 2¬45 बजे तक चलेगी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

रिश्वतखोर प्रधान आरक्षक रंगेहाथ गिरफ्तार, 5 लाख एफआईआर दर्ज करने के एवज में मांग रहा था ?

सिवनी। शिकायतकर्ता नितिन पाटकर की शिकायत पर लोकायुक्त ने जांच के बाद ट्रैप की योजना बनाई और बुधवार 16 अक्तूबर की शाम कार्रवाई की। आरोपी पहले ही ?25 हजार की पहली किस्त ले चुका था। मनीष पटवा पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7, 13(1)(क्र) और 13(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। सिवनी जिले के केवलारी थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक मनीष पटवा को जबलपुर लोकायुक्त टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। कार्रवाई बुधवार 16 अक्तूबर की शाम केवलारी थाना परिसर में की गई। सूत्रों के अनुसार प्रधान आरक्षक पटवा ने एक एफआईआर दर्ज करने के एवज में आवेदक से ?5 लाख की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता आदेगांव निवासी सिविल ठेकेदार नितिन पाटकर ने बताया कि यह रिश्वत पेटी ठेकेदार राय कंस्ट्रक्शन के राहुल राय के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराने के लिए मांगी गई थी। बताया गया कि आरोपी आरक्षक ने पहली किस्त में ?25 हजार रुपये पहले ही ले लिए थे, जबकि बुधवार को वह ?75 हजार रुपये की दूसरी किस्त लेते हुए लोकायुक्त के हत्थे चढ़ गया। लोकायुक्त ने रचा पूरा ट्रैप प्लान

नितिन पाटकर ने 8 अक्तूबर को जबलपुर लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के बाद शिकायत सही पाए जाने पर लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक अंजुलता पटले के निर्देशन में कार्रवाई की गई। टीम में निरीक्षक उमा कुशवाहा, राहुल गजभिए, जितेंद्र यादव और बृजकिशोर नरवरिया सहित लोकायुक्त जबलपुर का पूरा बल शामिल रहा।

इन धाराओं में दर्ज हुआ प्रकरण

प्रधान आरक्षक मनीष पटवा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन) 2018 की धारा 7, 13(1)(क्र) और 13(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

अन्य संलिप्तों की भी जांच

लोकायुक्त टीम अब यह भी जांच कर रही है कि इस भ्रष्टाचार के प्रकरण में थाना स्तर पर अन्य कोई अधिकारी या कर्मचारी तो संलिप्त नहीं है। लोकायुक्त डीजी योगेश देशमुख के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई।

आदि कर्मयोगी अभियान के उत्कृष्ट क्रियान्वयन में एमपी को राष्ट्रीय सम्मान, राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

भोपाल। जनजातीय सशक्तिकरण के क्षेत्र में मध्य प्रदेश को भारत सरकार के आदि कर्मयोगी अभियान में देश के शीर्ष पांच राज्यों में स्थान मिला है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में राज्य को यह सम्मान प्रदान करेंगी। जनजातीय सशक्तिकरण के क्षेत्र में मध्य प्रदेश ने एक बार फिर देशभर में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। भारत सरकार के जनजाति कार्य मंत्रालय के आदि कर्मयोगी अभियान के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए मध्य प्रदेश को देश के शीर्ष पांच राज्यों में स्थान मिला है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 17 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में राज्य को सम्मानित करेंगी। प्रमुख सचिव जनजाति कार्य गुलशन बामरा राज्य की ओर से यह सम्मान ग्रहण करेंगे और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जनजातीय उत्थान हेतु किए जा रहे नवाचारों पर प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर पीएम जनमन योजना के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शिवपुरी जिला को विशेष सम्मान प्राप्त होगा। बैतूल जिला उत्कृष्ट आदि कर्मयोगी अभियान में बैतूल जिला देश के उत्कृष्ट जिलों में शामिल हुआ है, जबकि मास्टर ट्रेनर श्रेणी में सारिका धौलपुरिया को व्यक्तिगत सम्मान मिलेगा। साथ ही बैतूल, धार, पूर्वी निमाड़ और बड़वानी जिलों के योगदान का भी विशेष उल्लेख होगा। राज्य स्तरीय सुपर कोच जेपी यादव, तथा एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसियां बड़वानी, बैतूल और शिवपुरी को उल्लेखनीय गतिविधियों के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। धरती आबा जनभागीदारी अभियान में गुना, बुरहानपुर और विदिशा को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा।

अभियान के तहत अब तक 14 हजार गांवों में विलेज एक्शन प्लान बनाकर ग्राम सभाओं से अनुमोदित किए गए हैं। 13 हजार से अधिक आदि सेवा केंद्र स्थापित हो चुके हैं, जहां आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जन धन, जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड और राशन कार्ड जैसी सेवाएं 100त्न लक्ष्य के साथ प्रदान की गई हैं। राज्य में 12 राज्य स्तरीय, 287 जिला स्तरीय, 12 हजार विकासखंड स्तरीय और 18,150 संकुल स्तरीय मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 1.41 लाख आदि सहयोगी और 1.92 लाख आदि साथी अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। यह अभियान जनजातीय समाज को सेवा, संकल्प और समर्पण के मूल्यों के साथ आत्मनिर्भर, जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक उपलब्धि को दर्शाता है।

बैंक खाते से लिंक मोबाइल नंबर बंद करना महंगा पड़ा, जालसाज ने महिला के खाते से उड़ाए पांच लाख

जबलपुर। बैंक खाते से लिंक मोबाइल नंबर बंद करना एक महिला को महंगा पड़ गया। जालसाज ने महिला के खाते से दो माह में 65 बार में पांच लाख 19 हजार रुपये उड़ा दिए। महिला दो साल तक खाते से रकम निकाले जाने के संबंध में अनभिज्ञ थी। महिला जब रुपये निकालने बैंक गई तो उसे इस बात की जानकारी मिली कि खाते में रकम नहीं है। पीड़िता महिला की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पनागर पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवाजी वार्ड निवासी 40 वर्षीय शशि पटेल का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पनागर शाखा में खाता है। बैंक खाते से लिंक मोबाइल नंबर उसने साल 2023 में बंद कर दिया था।

उसके बैंक खाते से 24 जून 2023 से 27 जुलाई 2023 के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने 5 लाख 19 हजार रुपये यूपीआई के माध्यम से निकाले हैं। बैंक खाते से लिंक मोबाइल नंबर बंद होने के कारण खाते से रुपये निकाले जाने के संबंध में उसे कोई मैसेज प्राप्त नहीं हुए। महिला जब रुपये निकालने बैंक गई तो ज्ञात हुआ खाते में पैसे नहीं हैं। किसी अज्ञात ने धोखाधड़ी करते हुए दो माह के अंतराल में 65 बार में उक्त राशि निकाली।

पुलिस ने महिला की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसके संबंध में पतासाजी प्रारंभ कर दी है। महिला के खाते से किस यूपीआई नंबर से रुपये निकाले गए इसके संबंध में पड़ताल जारी है।

प्रदेश में ठंड के साथ हल्की बारिश का दौर, मालवा-निमाड़, महाकौशल और नर्मदापुरम में आज अलर्ट

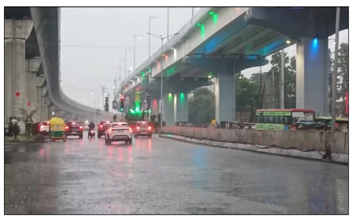

भोपाल। मौसम विभाग के अनुसार, मालवा-निमाड़, महाकौशल और नर्मदापुरम क्षेत्रों में शुक्रवार को हल्की बारिश की संभावना है, जिससे किसानों और आमजन दोनों को राहत मिल सकती है। ठंड का दूसरा और असली दौर 24 अक्टूबर से शुरू हो सकता है। दिवाली के बाद प्रदेश में उत्तर से आने वाली सर्द हवाएं ठंडक बढ़ा देंगी। मध्यप्रदेश से मानसून आधिकारिक रूप से विदा ले चुका है, लेकिन प्रदेश में बादल अब भी मेहरबान हैं। बंगाल की खाड़ी से आई पूर्वी हवाओं ने प्रदेश में ठंड को कुछ दिन और रोक दिया है, जिससे लोगों को हल्की ठंड के साथ खुशनुमा मौसम का आनंद मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, मालवा-निमाड़, महाकौशल और नर्मदापुरम क्षेत्रों में शुक्रवार को हल्की बारिश की संभावना है, जिससे किसानों और आमजन दोनों को राहत मिल सकती है। गुरुवार को भोपाल में दिन का तापमान 12 दिनों बाद 32 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि रात का तापमान भी सामान्य से थोड़ा ऊपर बना रहा। छिंदवाड़ा में आधा इंच से अधिक बारिश दर्ज हुई। सर्दी की दस्तक दिवाली के बाद

मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि ठंड का दूसरा और असली दौर 24 अक्टूबर से शुरू हो सकता है। दिवाली के बाद प्रदेश में उत्तर से आने वाली सर्द हवाएं ठंडक बढ़ा देंगी। ऐसे में त्योहार के बाद मौसम और सुहाना हो जाएगा। मानसून ने पूरे प्रदेश को किया तृप्त

इस बार मानसून ने प्रदेश में 3 महीने 28 दिन तक असर दिखाया और कई क्षेत्रों में औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। गुना, मंडला, रायसेन, और ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में जमकर बारिश हुई, जिससे जल स्रोत भर गए और किसान संतुष्ट दिखे।शुरुआत में कम बारिश झेलने वाले इंदौर में सितंबर की तेज बारिश ने हालात बदल दिए। इंदौर और आसपास के जिलों ने अब सामान्य बारिश का लक्ष्य पूरा कर लिया है, जिससे खरीफ फसलों और जलस्तर दोनों को फायदा हुआ है।पहाड़ों पर बर्फबारी, एमपी में मौसम खुशनुमा उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई है, जिससे ठंडी हवाएं मध्यप्रदेश तक पहुंच रही हैं। हवा के बदले रुख ने रातों को ठंडा बना दिया है, और आने वाले दिनों में ठंड का असर और गहराने की उम्मीद है। मध्यप्रदेश में मौसम इन दिनों परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है न ज्यादा गर्मी, न ज्यादा सर्दी।

यासीन मछली सहित तीन को हाईकोर्ट से सशर्त जमानत, क्राइम ब्रांच के एसआई को किया तलब

भोपाल। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस पीके अग्रवाल की एकलपीठ ने ड्रग तस्करी के आरोप में भोपाल क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तार किए गए यासीन मछली, शकील अंसारी तथा अमन दाहिया को सशर्त जमानत प्रदान की है। एकलपीठ ने तीनों आरोपियों की आरोपियों के जमानत आवेदन को स्वीकार करते हुए उन्हें हर माह की 10 और 25 तारीख को संबंधित थाने में हाजिरी देने के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि भोपाल क्राइम ब्रांच ने जुलाई 2025 को यासीन मछली, शकील अंसारी और अमन दाहिया को सैफुद्दीन उर्फ आशु उर्फ शाहरुख के मेमोरेंडम के आधार पर गिरफ्तार किया था। पुलिस ने सैफुद्दीन उर्फ आशु उर्फ शाहरुख को 15.14 ग्राम एमडी पाउडर ड्रग के साथ गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपी युवकों ने बताया था कि उन्हें एमडी पाउडर उनके द्वारा उपलब्ध करवाया गया था। आरोपियों की तरफ से कहा गया कि सैफुद्दीन के जिस मेमोरेण्ड के आधार पर उन्हें आरोपी बनाया गया, उसमें उनके के ही नाम नहीं हैं। इसके अलावा दोनों के पास से कोई भी मादक पदार्थ भी बरामद नहीं हुआ। पुलिस द्वारा 21 जुलाई की रात लगभग 11-30 बजे अलग स्थान से सैफुद्दीन और आशु उर्फ शाहरुख को अवैध रूप से गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें 23 जुलाई को विशेष न्यायाधीश (एन.डी.पी.एस.) भोपाल के समक्ष पेश किया गया था। उनकी अवैध गिरफ्तारी के संबंध में सीसीटीवी फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग भी उपलब्ध है।मादक पदार्थ के पंचनामा में 20 जुलाई की तारीख अंकित की गई है।

मादक पदार्थ के पंचनामा गलत तारीख दर्ज होने पर हाईकोर्ट ने क्राइम ब्रांच के एसआई नितिन कुमार पटेल को तलब किया था। एसआई ने हाजिर होकर कहा कि टाइपिंग मिस्टेक से पंचनामे में 20 जुलाई 2025 दर्ज हुई है, जबकि वास्तव में वह 23 जुलाई 2025 है। इसके लिए उन्होंने अदालत से बिना शर्त माफी मांगी। उसके बाद न्यायालय ने पूरे मामले पर गौर करने के बाद दोनों आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के निर्देश दिए।

सम्भागायुक्त के स्पष्ठ निर्देश जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन और एलएसके पर प्राप्त आवेदनों का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता रखें

नागरिकों की समस्या से जुड़े कार्यक्रमों में जिला और अनुविभागीय अधिकारियों की हो सक्रिय भूमिका

इंदौर। इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने आज खरगोन में समीक्षा बैठक में निर्देश दिए है कि नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए जिला और अनुविभागीय अमला सक्रिय भूमिका में रहें। साथ ही नागरिकों की समस्याओं से जुड़े कार्यक्रम जैसे-जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी अधिनियम में प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता रखें। इन कार्यक्रमों पर शासन पूरी निगरानी कर रहा है। शासन का सर्वोच्च कार्य जनता की समस्याओं का समय पर निराकरण करना निर्धारित भी है। इसलिए कोई भी अधिकारी नागरिकों की शिकायतों, समस्याओं को हल्के में न ले। जनसुनवाई के दौरान जिला और अनुविभागीय अमला भी अनिवार्य रूप से मौजूद रहे। सभी विभाग सुनिश्चित करे कि जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाईन पर प्राप्त शिकायत या समस्या का यथासंभव त्वरित रूप से निराकरण करें, यदि पेंचीदा मामला है या जांच आवश्यक है तो भी निराकरण कराने के पीछे लगे रहें लंबित किसी भी स्थिति में न रहने दें।

शासन की योजनाएं नागरिकों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए - सम्भागायुक्त डॉ. खाड़े ने 10 विभागों की प्रमुख योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि शासकीय योजनाएं नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए है। इसी मंशा के साथ कार्य किया जाना चाहिए। इसके लिए विभागीय अधिकारी यह सुनिश्चित करे कि विभाग की योजनाओं को धरातल पर उतारें। विभागों को प्राप्त लक्ष्य कई बार नजर अंदाज कर दिया जाता है, लेकिन ऐसा न हो किसी व्यक्ति को लाभ दिलाने से उनके परिवार पर असर पड़ता है। इसलिए अपनी पूरी लगन के साथ कार्य मे जुटे। सम्भागायुक्त डॉ. खाड़े ने राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला बाल विकास, कृषि, जनजाति कार्य विभाग और पीएचई के जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की।

महिलाओं और बच्चों के उपचार में डेटा महत्वपुर्ण- सम्भागायुक्त डॉ. खाड़े ने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि शासन महिलाओं और बच्चों के उपचार को लेकर कई योजनाएं संचालित हो रही है। इन सभी योजनाओं में वास्तविक और सही डेटा अत्यधिक महत्व रखता है। इसलिए जब भी विभाग के अमले द्वारा गर्भवती महिलाओं और बच्चों की समय-समय पर होने वाली जांच का सही-सही रिकार्ड दर्ज कराए और संधारित रखें, जिससे जांच करने वाले डॉक्टर्स को आसानी हो। आरबीएसके की टीम से बच्चों का चिन्हांकन अवश्य करवाये, जिससे बच्चो का ऑपरेशन और अन्य उपचार शासन की योजनाओं के द्वारा किया जा सकें।

संभागयुक्त डॉ. खाड़े ने बैठक में मिशन कर्मयोगी की समीक्षा करते हुए कहा कि मिशन कर्मयोगी प्रशिक्षण देने के लिए सरकार का एक बहुत ही अच्छा प्लेटफार्म है। समस्त शासकीय विभागों के अधिकारी-कर्मचारी को मिशन कर्मयोगी का प्रशिक्षण लेकर अपनी कार्यक्षमता को बढ़ाये।

पीआईएमआर की छात्रा ने एसीसीए फाइनेंशियल मैनेजमेंट परीक्षा में हासिल की विश्व में सर्वोच्च रैंक

इंदौर। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर की छात्रा राशी धूत ने वैश्विक स्तर पर संस्था का नाम रोशन किया है। राशी ने एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स (एसीसीए) ग्लोबल परीक्षा के फाइनेंशियल मैनेजमेंट विषय में विश्व में सर्वोच्च रैंक हासिल की है। उन्होंने 100 में से 97 अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसके लिए उन्हें 200 (ब्रिटिश पाउंड) का नगद पुरस्कार और ग्लोबल द्वारा सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट प्रदान किया गया है। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च पिछले चार वर्षो से अपने बी.कॉम छात्रों के लिए एसीसीए शिक्षा का अग्रणी केंद्र रहा है। प्रेस्टीज एजुकेशन फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. डेविश जैन ने कहा कि उनका संस्थान अब तक तीन एसीसीए एफिलिएट्स तैयार कर चुकी है। जबकि 98 बी.कॉम छात्र फाइनेंशियल मैनेजमेंट, फाइनेंशियल रिपोर्टिंग तथा ऑडिट एंड एश्योरेंस जैसे विषयों की कई परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर चुके हैं।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू इंदौर संभाग के तीन जिलों को करेंगी सम्मानित

इंदौर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू द्वारा आज इंदौर संभाग के पांच जिले बड़वानी, धार, खंडवा, झाबुआ और बुरहानपुर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया जाएगा संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के निर्देशन में आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत संभाग ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के विशेष निर्देशन में झाबुआ जिले को एक अलग उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू के समक्ष प्रस्तुतिकरण का अवसर मिला है। शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में झाबुआ कलेक्टर श्रीमती नेहा मीणा आदि कर्मयोगी अभियान और आदि कर्मयोगी पर्व पर अपना प्रस्तुतिकरण देंगी। साथ ही बुरहानपुर जिले को भी धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने के लिए चयनित किया गया है।

जनजातीय विभाग के डिप्टी कमिश्नर श्री ब्रजेश पांडे ने बताया कि इंदौर संभाग में संभागायुक्त डॉ. खाड़े के निर्देशन में उत्कृष्ट कार्य हुए है। 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चले आदि कर्मयोगी पर्व के दौरान पूरे प्रदेश में इंदौर संभाग में चिन्हित 3373 गांवों का न सिर्फ चयन हुआ बल्कि कई निर्धारित मापदंडों में समय पर कार्य उपरांत पोर्टल पर इंट्री की जा चुकी है। इंदौर संभाग के 3373 जनजातीय गांवों की कार्ययोजना तैयार हो चुकी है। पर्व के दौरान तहसील और ग्राम स्तर तक प्रशिक्षण के बाद आदि सेवा केंद्रों की स्थापना और गांवों की मौलिक आवश्यकताओं के अनुरूप सर्वे कर रूपरेखा तैयार की गई है। इस तरह इंदौर संभाग के 8 जिलों में से 5 जिले शुक्रवार को राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू द्वारा सम्मान पाएंगे।

जनजातीय क्षेत्र झाबुआ को राष्ट्रपति के समक्ष जिले का प्रस्ताव प्रस्तुत करने का मौका मिला है। झाबुआ में कलेक्टर नेहा मीणा के द्वारा स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में ÷मोटी आयी÷ पर कार्य हुआ है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। अब कलेक्टर अपने जिले के नवाचार को दिल्ली में देश की प्रथम नागरिक के सामने प्रस्तुत करेंगी। झाबुआ जिले में 651 गांवों का प्रस्ताव तैयार किया गया है। प्रस्ताव में जिले में गैप और स्वास्थ्य पोषण के अलावा भी अन्य क्षेत्र में उन्नत कार्य योजना भी रखी जायेगी।

इंदौर संभाग में सोयाबीन भावांतर भुगतान योजनांन्तर्गत 1,29,609 किसानों ने कराया पंजीयन

इंदौर। राज्य शासन द्वारा सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिये शुरू की गई भावांतर भुगतान योजना का लाभ लेने के लिये किसानों ने बड़ी संख्या में अपना पंजीयन कराया है। योजना के तहत 3 अक्टूबर से प्रारंभ पंजीयन में इंदौर जिला संभाग में सबसे आगे रहा है। यहां सर्वाधिक 42880 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। जबकि पंजीयन के लिये अभी एक दिन और शेष है।

इंदौर जिले में सोयाबीन उत्पाद का कुल रकबा 1,15,236 हैक्टेयर है। यहां सोयाबीन खरीदी के लिये 61 विक्रय केन्द्र बनाये गये हैं। इंदौर जिले में 42880 किसानों ने भावांतर योजना के तहत अपना पंजीयन कराया है। बुरहानपुर जिले में सोयाबीन उत्पाद का कुल रकबा 3688.04 हैक्टेयर हैं। यहां 24 पंजीयन केन्द्रों पर 2111 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। झाबुआ जिले में सोयाबीन उत्पाद का कुल रकबा 11938.77 हैक्टेयर हैं। यहां 50 केन्द्रों पर 9087 किसानों ने पंजीयन कराया है।

आलीराजपुर जिले में सोयाबीन उत्पाद का कुल रकबा 35600 हैक्टेयर है। यहां 22 केन्द्रों पर 1183 किसानों ने पंजीयन कराया है। इसी तरह बड़वानी जिले में सोयाबीन उत्पाद का कुल रकबा 14528.29 हैक्टेयर है। यहां 46 केन्द्रों पर 12383 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। खण्डवा जिले में कुल कुल रकबा 39219.19 हैक्टेयर है।

यहां 73 केन्द्रों पर 16763 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। खरगोन जिले में सोयाबीन उत्पाद का कुल रकबा 22239 हैक्टेयर है। यहां 75 पंजीयन बनाये गये हैं। केन्द्रों पर 12163 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है।

धार जिले में 33039 किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। इंदौर संभाग में सोयाबीन भावांतर भुगतान योजनांन्तर्गत 1,29,609 किसानों ने अभी तक पंजीयन कराया है।

अपर कलेक्टर श्री पंवार ने सोयाबीन भावांतर भुगतान को लेकर बैठक ली

इंदौर। अपर कलेक्टर श्री पंवार नवजीवन विजय की अध्यक्षता में सोयाबीन भावांतर भुगतान को लेकर कलेक्टर सभागृह में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप संचालक कृषि श्री सी.एल. केवड़ा, मण्डी सचिव श्री रामवीर किरार सहित जिले के कृषक और उनके प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में बताया गया कि इंदौर जिले में चार मण्डी और तीन उप मण्डियों में सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना का लाभ दिया जाना है। सोयाबीन भावांतर योजना में पंजीयन का अंतिम दिन 17 अक्टूबर है। योजना का लाभ लेने के लिये किसान अपना पंजीयन अवश्य करायें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि सोयाबीन फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य प्राप्त हो। जिले के सभी विक्रय केन्द्रों पर पीओएस मशीन, इन्टरनेट की व्यवस्था, व्यापारियों की उपलब्धता एवं आवश्यक कर्मचारियों की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उज्जैन, से प्रकाशित
संपादक मंडल
श्रीमती सीमा वशिष्ठ संपादक
श्री संजय ज्ञानी संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी विशेष प्रतिनिधि

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

प्रदेश में उज्जैन जिला तीसरी बार प्रथम स्थान पर रहा

कलेक्टर श्री सिंह ने जिला साक्षरता की पूरी टीम को बधाई दी

उज्जैन । उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के असाक्षरों को बुनियादी साक्षरता प्रदान करने के उद्देश्य से 20 सितंबर 2025 को बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा में 90 हजार 10 लक्ष्य के विरुद्ध उज्जैन जिले में 91 हजार 116 असाक्षरों को शामिल करवाकर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। निरंतर प्रयास करने से उज्जैन जिला तीसरी बार प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के संचालक द्वारा प्रथम स्थान आने पर प्रशस्ति पत्र मिलने पर कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जिला परियोजना समन्वयक/जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी श्री अशोक त्रिपाठी एवं जिला साक्षरता के श्री संजय शर्मा एवं उनकी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उज्जैन जिले में वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार लगभग जिले में 5 लाख 11 हजार निरक्षर थे जिसमें 3 लाख 9 हजार असाक्षरों को मूल्यांकन परीक्षा के माध्यम से नवसाक्षर बनाया गया। निरंतर प्रयास से उज्जैन जिला तीसरी बार उक्त परीक्षा में प्रदेश एवं देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल में 15 अक्टूबर को समीक्षा की गई। इसमें राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक श्री हरजिन्दर सिंह ने उज्जैन जिले को सर्वाधिक परीक्षार्थियों को शामिल करने पर कलेक्टर , जिला परियोजना समन्वयक को सम्मान पत्र एवं शील्ड प्रदान की।

शुक्रवार को प्रदेश में जिला प्रथम स्थान आने पर जिला परियोजना समन्वयक श्री अशोक त्रिपाठी एवं श्री संजय शर्मा ने कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह से भेंट कर उन्हें सम्मान पत्र एवं शील्ड प्रदान की। इस अवसर पर कलेक्टर ने टीम को बधाई देते हुए निर्देश दिये कि वर्ष 2027 तक संपूर्ण जिले को साक्षर बनाने की कार्य योजना तैयार की जाएं।

हेमा मालिनी के जन्म दिवस पर हुई ध्रुव तारा परिवार की संगीत निशा

हेमा मालिनी के जन्म दिवस पर हुई ध्रुव तारा परिवार की संगीत निशा

उज्जैन। ध्रुव तारा परिवार द्वारा ड्रीमगर्ल हेमा मालिनीजी के जन्मदिन पर कालिदास अकादमी में शानदार संगीत निशा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शशांक दुबे फिल्म समीक्षक तथा विशेष अतिथि दिनेश दिग्गज अंतरराष्ट्रीय कवि, धीरज गोमे प्रसिद्ध गायक तथा महेश शर्मा, अनुराग, फिल्म इतिहास वेक्ता रहे। अध्यक्षता वरिष्ठ कवि सुगनचन्द जैन ने की। संचालन ध्रुव तारा परिवार के संस्थापक मनोहर रांगी ने किया। शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। अतिथियों ने हेमा मालिनी के जीवन और उनकी फिल्मों पर प्रकाश डाला। संगीत निशा में भाग्यश्री चुनेकर ने गीत ए दिले नादान रानी गौर ने' तूने ओ रंगीला कैसा जादू किया, अलका कोथलेकर ने 'कितने दिन यह दिल तरसेगा', दिलीप जोशी ने' हमें तुमसे प्यार कितना'', दिलीप शर्मा ने तेरा पीछा ना छोड़ेंगे सोनिये, संजय देशपांडे ने' दरिया में फेंक दो, रजनी नागर ने नाम गुम जाएगा', निलेश शर्मा ने तेरे चेहरे मैं वो जादू है, 70 वर्षीय सुचित्रा पंडित ने जब अपना गीत' ओ बाबुल प्यारे की शुरुआत की तो उनकी सुरीली आवाज ने पूरे हाल को गुंजा दिया।

दीपों की रौशनी में सृजन का उजास

उज्जैन। अक्षत इंटरनेशनल स्कूल, उज्जैन में दीपावली पर्व के शुभ अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर रंगों, रोशनी और उल्लास से जगमगा उठा जब विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता का अद्भुत प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत मेहंदी सज्जा, मंडना निर्माण, रंगोली निर्माण, दीया सजावट एवं सूचना पटल सजावट प्रतियोगिता आयोजित की गईं।

सिंथेटिक्स कर्मचारियों की आवश्यक बैठक कल

उज्जैन। 19 अक्टूबर 2025 रविवार को दोपहर 12 बजे शहीद पार्क उज्जैन पर संयुक्त कर्मचारी कांग्रेस व श्री सिंथेक्टिस लिमिटेड को आपरेटिव सोसायटी उज्जैन की आवश्यक बैठक आयोजित की गई है।

संयोजक संयुक्त कर्मचारी कांग्रेस व सोसायटी के संचालक प्रकाश सोलंकी के अनुसार सभी श्रमिक, कर्मचारी साथियों से बैठक में अपनी रसीद सहित उपस्थित होने की अपील है। साथ ही 1 जनवरी 2010 से 31 दिसंबर 2020 तक के बीमा कार्ड का बैंक स्टेटमेंट/पासबुक के फ्रंट पेज, एंट्री के पेज की फोटोकापी जिसमें पुनर्वास भत्ते की पहली किश्त जमा हुई थी उसकी प्रति भी साथ लाने की अपील है।

बैठक को सफल बनाने की अपील रामचन्द्र चैधरी, शिवाजी राव शिंदे, अमरसिंह गेहलोत, मुकुटबिहारी, शीतलप्रसाद राठौर, अशोक राव, रंजीत बोड़ाना ने की है।

स्वास्थ्य ही परम धन, सभी स्वास्थ्य के प्रणेता भगवान धन्वंतरि की जयंती मनाएं

उज्जैन। आरोग्य के देवता आयुर्वेद रत्नाकर के प्रथम रत्न सतत गतिशीलता और सुनियोजन से लक्ष्य प्राप्ति के जनक भगवान धन्वंतरि को नमन। देवलोक में जो स्थान मधु कलश लिए हुए अश्वनीकुमारों को प्राप्त होता है उसी प्रकार मृत्यु लोक में अमृत कलश लिए हुए आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि को स्थान प्राप्त है।

शासकीय धन्वंतरि आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के प्रो. डॉ दिवाकर पटेल के अनुसार हरवंशपुराण, वायु पुराण, ब्रह्म पुराण में लिखा है काश के वंश में उत्पन्न धन्वनामक नृप के द्वारा विष्णु की आराधना करने से विष्णु भगवान ने धनवंतरी के रूप में उनके यहां जन्म लिया। भगवान धन्वंतरि के पास अध्ययन के लिए औपधेनव, सुश्रुत आदि शिष्यों ने जाकर प्रश्न किया कि हे भगवान संसार के प्राणी शारीरिक मानसिक आगंतुक रोगों से व्याकुल है उनके कल्याण के लिए हम आयुर्वेद का उपदेश सुनने के लिए आए हैं ऐसा सुनकर भगवान धन्वंतरि ने उन्हें पढ़ाने का आश्वासन दिया। भगवान धन्वंतरि के उपदेशों को उनके शिष्यों में प्रमुख सुश्रुत ने आयुर्वेद का श्रवण कर उस ज्ञान को संहिता के रूप में संकलित किया जिसे सुश्रुत संहिता कहते हैं। कार्तिक मास की त्रयोदशी तिथि धनतेरस के दिन पौराणिक मान्यता के अनुसार बर्तन आदि इसलिए खरीदे जाते हैं क्योंकि इस दिन समुद्र मंथन से भगवान धन्वंतरि अमृत से भरे हुए कलश के साथ प्रकट हुए थे इस घटना की याद में बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है, यह घर में सुख समृद्धि स्वास्थ्य और सौभाग्य का प्रतीक है। वैद्यक समाज आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि की जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाते है।

दीपावली पर्व की शुरुआत धनतेरस के साथ होती है स्वास्थ्य ही परम धन है। सभी स्वास्थ्य के प्रणेता भगवान धन्वंतरि की जयंती अपने घर में अवश्य बनाएं और आरोग्य के दीर्घ लाभ को प्राप्त करें। सभी समाजजन से निवेदन है कि अपने अपने देवालय में भगवान धनवंतरी के चित्र की स्थापना कर नित्य पूजा करें। स्वास्थ्य की उत्तम प्राप्ति करें।

सनातन धर्म में आ रही विकृति को रोकने के लिए हुआ श्री महाकाल विद्वत परिषद का गठन

सनातन धर्म के विपरीत निर्णय देने वाले और कार्य करने वाले लोगों को रोकेंगे

उज्जैन। वर्तमान में देश में सनातन धर्म की मान्यताओं, परंपराओं, वेदों और शास्त्रों में निहित बातों पर कई लोग अनर्गल टिप्पणी कर धर्म को अपने हिसाब से पेश करते हैं ऐसे लोगों के लिए धर्म त्योहार, उत्सव केवल मनोरंजन का साधन मात्रा है जिसके कारण धर्म की पवित्रता एवं मंदिरों की परंपरा प्रभावित होती हैं।

युवा ब्राह्मण समाज अध्यक्ष गोपाल पुजारी ने बताया कि चाणक्य पुरी स्थित श्री परशुराम मंदिर पर अखिल भारतीय पुजारी महासंघ, अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज और महाकाल सेना की संयुक्त बैठक कर संस्थापक अध्यक्ष महेश पुजारी की अध्यक्षता में विद्वत परिषद का गठन किया गया। ये विद्वत परिषद शास्त्र, वेद, पुराण, भाष्य एवं अन्य ग्रंथो में निहित प्रमाणित निर्णय सनातन धर्मावलंबियों को बताएगी। जिससे लोगों में फैले असमंजस को दूर किया जा सकेगा। विद्वत् परिषद में आचार्य पं. गोपाल शुक्ल (उज्जैन), आचार्य पं. आशीष अग्निहोत्री (उज्जैन), आचार्य पं. संजय शर्मा (दमन दीव), आचार्य पं. नरेंद्र त्रिपाठी (इंदौर), आचार्य पं. अभिषेक पण्डा (काशी), आचार्य पं. मनोज शास्त्री (उज्जैन) को सम्मिलित किया गया। विद्वत परिषद देश में एक सुचारू और धर्म अनुसार निर्णय देगी। जिसमें त्योहारों की असमानता में धर्म शास्त्र युक्त निर्णय देना, एक तिथि एक त्यौहार मनाना, गणेश विसर्जन ओर देवी विसर्जन में विकृति आ रही हैं समय पर विसर्जन नहीं होने से आयोजकों और भक्तों को जन, धन नुकसान हो रहा है ओर धर्म की हानि हो रही हैं। देश में आए दिन सनातन धर्म पर कई लोग बयानबाजी करते हुए मंदिरों की परंपरा को धूमिल करते हैं, पिछले दिनों एक व्यक्ति ने महाकाल महाराज पर चढ़ने वाली भांग को शास्त्र विरुद्ध बताया था, पूर्व में भी नवरात्रि में होने वाली सरकारी पूजन में माताजी पर चढ़ने वाली मदिरा की को बंद करने की बात कही थी जिसका महाकाल सेना ने पुरजोर विरोध किया था जिसके फल स्वरूप नगर पूजा मदिरा के साथ हुई। ऐसे अन्य कई महत्वपूर्ण विषयों को लेकर चिंतन किया गया ओर निर्णय देने की बात कही।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com